खान विभाग ने पहली तिमाही में ही राजस्व अर्जन का नया इतिहास रचा : आनंदी

'माइंस विभाग द्वारा अप्रेल-जून की पहली तिमाही में 13 फीसदी ग्रोथ के साथ 1977.26 करोड़ का राजस्व संग्रहण'

जयपुर, (का.सं.)। राज्य का माइंस विभाग राजस्व अर्जन में इस साल नया रेकार्ड कायम करने जा रहा है। शासन सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम आनन्दी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में गत वित्तीय वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 13 प्रतिशत ग्रोथ के साथ राज्य सरकार को 1977 करोड़ 26 लाख रुपए का राजस्व जमा हो गया हैं। गत वित्तीय वर्ष के पहले त्रैमास में 1746 करोड़ 55 लाख रुपए का राजस्व अर्जित हुआ था। एसएमई कार्यालयों में जयपुर त्रैमासिक लक्ष्यों की तुलना में 112.37 प्रतिशत लक्ष्य अर्जित कर प्रदेश में पहले पायदान पर पहुंच गया है। भीलवाड़ा और भरतपुर एसएमई कार्यालय दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे हैं।

खान सचिव आनन्दी ने बताया कि मुख्यमंत्री व खान मंत्री श्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व व मार्गदर्शन में खान विभाग द्वारा इस वित्तीय वर्ष में राजस्व अर्जन का नया रेकार्ड स्थापित किया जाएगा। सरकारी राजस्व की छीजत रोकने, राजस्व बढ़ाने के लिए विभागीय मोनेटरिंग व्यवस्था को मजबूत करने और नियमित समीक्षा के परिणाम स्वरुप उल्लेखनीय सफलता मिली है। योजनाबद्ध तरीके से मिनरल ब्लॉकों की ई-नीलामी, अवैध खनन गतिविधियों पर कार्यवाही में तेजी, नियमित मोनेटरिंग, दिशा-निर्देशों के क्रियान्वयन व आपसी समझ व समन्वय से लक्ष्यों से अधिक राजस्व अर्जित किया जा सका है। रेकार्ड राजस्व अर्जन के लिए विभाग के अधिकारियों व कार्मिकों को बधाई देते हुए बताया कि टीम भावना व परस्पर समन्वय से यह रेकार्ड राजस्व संग्रहण हो सका है।

निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि वर्ष 2022-23 में पहली तिमाही में 1561 करोड़ 04 लाख रु., 2023-24 में 1746 करोड़ 55 लाख रु. का राजस्व अर्जित किया गया था जो वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में 13 प्रतिशत विकास के साथ बढ़कर 1977 करोड़ 26 लाख रुपए हो गया है। यह पहली तिमाही में राजस्व

- **राजस्व संग्रहण में एसएमई जयपुर पहले तो भीलवाड़ा और भरतपुर दूसरे और तीसरे स्थान पर**

अर्जन का नया रेकार्ड भी है। सीमित संसाधनों के बावजूद विभाग द्वारा राजस्व बढ़ोतरी के बेहतरीन परिणाम मिले हैं।

निदेशक कलाल ने बताया कि समन्वित व समग्र प्रयासों से खान विभाग द्वारा राजस्व वसूली के प्रयासों में तेजी लाई गई है। विभाग द्वारा अवैध खनन व परिवहन गतिविधियों पर सख्त कार्यवाही की जा रही है जिसके सकारात्मक प्रभाव आने लगे हैं।

अप्रेल से जून तिमाही में एसएमई जयपुर एनएस शक्तावत की टीम ने 203 करोड़ राजस्व वसूली के लक्ष्य के विरुद्ध 228 करोड़ 12 लाख की राजस्व वसूली कर 112.37 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है। एसएमई जयपुर कार्यक्षेत्र में एएमई टोंक सोहन लाल सुथार ने 133 प्रतिशत, एमई झुन्झुनू रामलाल सिंह ने 124 प्रतिशत, एएमई कोटपुतली अमीचंद दुहारिया ने 111, एमई जयपुर श्याम कापड़ी ने 110 प्रतिशत, एएमई अलवर पुष्पेन्द्र मीणा ने 108.58 प्रतिशत व एएमई दौसा लक्ष्मी चंद मीणा ने लक्ष्यों के विरुद्ध 110 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है। एसएमई भीलवाड़ा ओपी काबरा के मार्गदर्शन में भीलवाड़ा जोन में 492 करोड़ 53 लाख के लक्ष्यों के विरुद्ध 533 करोड़ 10 लाख की राजस्व वसूली कर लक्ष्यों के विरुद्ध 108 प्रतिशत उपलब्धि अर्जित की है। भीलवाड़ा एसएमई ओपी काबरा के कार्यक्षेत्र में एमई भीलवाड़ा चंदन कुमार व बिजोलिया एमई सत्यनारायण कुमावत ने लक्ष्यों के विरुद्ध 116 प्रतिशत से अधिक वसूली की है।

इसी तरह से राजस्व वसूली में तीसरे पायदान पर रहे एसएमई भरतपुर हरीश चन्द्र गोयल के क्षेत्र में 104.10 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है। इनमें भरतपुर, करौली और धौलपुर कार्यालयों में लक्ष्यों से अधिक वसूली रही। एसएमई बीकानेर धर्मेन्द्र लुहार के क्षेत्र में 106 करोड़ 90 लाख की वसूली लक्ष्य के विरुद्ध 108 करोड़ 52 लाख की 101.52 फीसदी राजस्व वसूली रही है। बीकानेर क्षेत्र में एमई श्रीगंगानगर धीरज पंवार, एमई बीकानेर महेश प्रकाश पुरोहित और एएमई चुरु एनएल मेघवाल ने लक्ष्यों के विरुद्ध शतप्रतिशत से अधिक वसूली की है। राशि की दृष्टि से सर्वाधिक 446 करोड़ 33 लाख की एमई भीलवाड़ा व एमई राजसमंद द्वितीय ने 238 करोड़ 52 लाख की वसूली की है। जयपुर, अलवर, झुन्झुनू, टोंक, कोटपुतली, दौसा, मकराना, सिरोही, बीकानेर, श्रीगंगानगर, चुरु, उदयपुर, प्रतापगढ़, भीलवाड़ा, बिजोलिया, राजसमंद द्वितीय, बूंदी प्रथम, रामगंजमण्डी, झालावाड़ बारां, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर कार्यालयों ने लक्ष्यों के विरुद्ध शतप्रतिशत से भी अधिक राजस्व अर्जित किया है।

नई पीढ़ी को संस्कारवान बनाना हम सभी की जिम्मेदारी : देवनानी

विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी रविवार को कोटा में विद्या भारती शिक्षा संस्थान के प्रतिभा सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि के रूप मे संबोधित किया।

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि समाज में परिवर्तन लाने के लिए नई पीढ़ी को संस्कारवान बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। नई पीढ़ी को राष्ट्रीयता, देश प्रेम एवं मूल्यों की शिक्षा देकर उनमें देश के लिए समर्पण का भाव उत्पन्न कर हम 2047 तक विकसित भारत का संकल्प पूरा कर सकेंगे। देवनानी रविवार को कोटा में विद्या भारती शिक्षा संस्थान के प्रतिभा सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि के रूप मे संबोधित कर रहे थे।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि आज पूरा विश्व भारत की ओर देख रहा है। देश सक्षम नेतृत्व के हाथों में है। हमारी युवा पीढ़ी में तेरा वैभव अमर रहे माँ की सोच पैदा करेंगे तभी हमारी शिक्षा सार्थक होगी। हमें रोजगारपरक शिक्षा देने के साथ ही संस्कारवान बनाने वाली शिक्षा देने की जरूरत है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि विद्या भारती में छात्र-छात्राओं को संस्कार दिए जाते हैं और उन्हें अच्छे नागरिक बनाने का

- **देवनानी ने किया छात्र-छात्राओं का सम्मान**

प्रयास किया जाता है। आंतकवाद, जातिवाद, भाई-भतीजावाद एवं भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए आज विद्या भारती के संस्कार की आवश्यकता है। उन्होंने आव्हान किया कि यहां से निकले छात्र डॉक्टर-इंजीनियर बनकर गरीबों की सेवा करने का भाव रखें। स्वयं से पहले राष्ट्र व समाज के प्रति कर्तव्य निर्वहन को प्राथमिकता दें और सब कुछ देश के लिए समर्पण करने का भाव लेकर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि विद्या भारती से जुड़े प्राचार्य एवं आचार्य नन्हें बच्चों को तराश कर उन्हें संस्कारी बनाएं। देवनानी ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को मां के साथ जोड़कर अधिक से अधिक पौधारोपण कर पर्यावरण को बचाने की मुहिम शुरू की गई है। इस मुहिम में सभी भागीदार बनें।

कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि विद्या भारती में पढ़ने वाले विद्यार्थी यहां से ऐसे संस्कार लेकर जाएं कि वे पूरे विश्व में देश का नाम रोशन कर सकें। कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने कहा कि शिक्षकों का ध्येय शिक्षा के साथ-साथ विशिष्टता का भाव पैदा करना है। यहां से निकले छात्र राष्ट्र सेवा के भाव के साथ विविध क्षेत्रों में अपना योगदान दे रहे हैं।

समारोह में विधानसभा अध्यक्ष एवं अन्य अतिथियों ने विद्या भारती शिक्षा संस्थान, कोटा के तहत संचालित विभिन्न विद्यालयों में दसवीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह एवं पुरस्कार से सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एलन कोचिंग संस्थान के कार्यकारी निदेशक नवीन माहेश्वरी ने की। इस अवसर पर डॉ. संतोष आनंद सहित विद्या भारती संस्थान से जुड़े पदाधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने ललिता कोटि कुमकुमार्चन महायज्ञ में भाग लिया

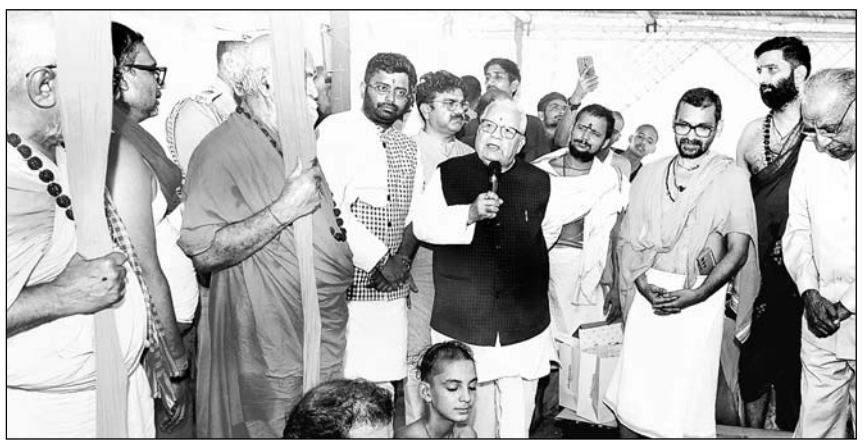

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र रविवार को इंदिरा नगर स्थित पुष्पांजलि परिसर में चल रहे ललिता कोटि कुमकुमार्चन महायज्ञ स्थल पहुंचे। उन्होंने देश भर से आए वैदिक विद्यार्थियों और संतों की उपस्थिति में राष्ट्र की उन्नति एवं गरीब कल्याण के ध्येय से आयोजित महायज्ञ में भाग लेते हुए यज्ञ की भारतीय संस्कृति को जीवन उत्कर्ष का आधार बताया।

उन्होंने कहा यज्ञ जीवन का आलोक पथ है। इससे तन, मन और जीवन ही सिद्ध नहीं होता मानवता का कल्याण होता है। मिश्र ने इस दौरान श्री विद्या का विशिष्ट पूजन भी किया और उपस्थित संत महात्माओं का आशीर्वाद लिया।

भारत सोलर कॉम्पोनेंट एक्सपो में 3000 करोड़ के बिजनेस ने इंडस्ट्री को दिया बूस्टर

जयपुर। राजस्थान सोलर एसोसिएशन की ओर से राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में तीन दिवसीय भारत सोलर कंपनोनेंट एक्स्पो चल रहा है। एक्स्पो में लगभग 3000 करोड़ का बिजनेस हुआ, जो इंडस्ट्री के लिए बूस्टर है। सौर परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए बैंकरों से बात करें विषय पर टॉक शो का आयोजन हुआ। इसमें एनर्जी मिनिस्टर हीरा लाल नागर ने सोलर मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री के लोगों से संवाद किया। लोगों ने मंत्री को इंडस्ट्री के समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में सोलर इंडस्ट्री को बढ़ाने के लिए मैन्युफैक्चर्स के साथ काम किया जाएगा। टॉक शो का उद्देश्य सौर परियोजना योजना के संभावित लाभार्थियों और अग्रणी भारतीय बैंकों और एनबीएफसी के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत के लिए एक मंच प्रदान करना रहा। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने कहा कि नगर निगम सौलर सिस्टम को बढ़ावा देने के लिए हर संभव मदद करने को तैयार है। हमारा लक्ष्य जयपुर को सूर्य सिटी बनाना है। इस अवसर पर आरआरसीएल के एमडी नथूमल, आरएसए के अध्यक्ष सुनील बंसल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता, उपाध्यक्ष प्रतीक अग्रवाल, सीईओ नितिन अग्रवाल, कलर एन डिजाइन के चेयरमैन अमित परनामी उपस्थित रहे।

राजस्थान सोलर एसोसिएशन अध्यक्ष सुनील बंसल ने बताया कि एक्स्पो में सोलर उत्पादन के सभी उपकरण एक छत के नीचे प्रदर्शित किए गए हैं। एक्स्पो 8 जुलाई तक चलेगा। दूसरे दिन वीकेंड के कारण विजीटर्स की अच्छी रौनक रही। राजस्थान सोलर एसोसिएशन राज्य में सोलर इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए तेजी से कदम बढ़ा रहा है। प्रदेश में गर्मी ज्यादा पड़ती है और यहां बिजली की बहुत जरूरत होती है।

ओ.पी.जे.एस.यूनिवर्सिटी ने 9 साल में बांटी 1300 फर्जी डिग्रियां

जयपुर। राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक और डमी अभ्यर्थी बैठाकर परीक्षा पास करवाने की धांधली के बाद अब फर्जी डिग्री से नौकरी हथियाने के खेल का एसओजी ने पर्दाफाश किया है। चार दलालों की गिरफ्तारी के बाद एसओजी ने गहराई से जांच की, तो इसकी आंच ओपीजेएस यूनिवर्सिटी के संस्थापक जोगेंद्र सिंह, पहले इसी यूनिवर्सिटी से जुड़े जितेंद्र यादव और ओपीजेएस यूनिवर्सिटी की रजिस्ट्रार रही सरिता कढ़डवासरा तक पहुंची। इन तीनों की गिरफ्तारी के बाद अब एसओजी इस गिरोह से जुड़े दलालों के बड़े नेटवर्क पर शिकंजा कसने में जुटी है। साथ ही फर्जी डिग्री से नौकरी हथियाने वाले अभ्यर्थियों पर भी नकेल कसने की तैयारी है। एस.ओ.जी. ने गिरफ्तार आरोपी जोगेन्द्र सिंह, जितेन्द्र यादव और सरिता कढ़डवासरा को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें 14 जुलाई तक रिमांड पर भेज दिया है।

एसओजी की जांच में सामने आया है कि रोहतक (हरियाणा) का रहने वाला जोगेंद्र सिंह साल 2013 से पहले मेरठ की एक निजी यूनिवर्सिटी में काम करता था। वहां भी फर्जी डिग्री बेचने के घोटाले में शामिल रहा। इसके बाद उसे मेरठ, दिल्ली और भिवानी पुलिस ने गिरफ्तार भी किया था। हालांकि, बाद में जमानत पर छूटने पर उसने चूरू के राजगढ़ में ओपीजेएस यूनिवर्सिटी शुरू की, जहां से 9 साल में 1300 से ज्यादा फर्जी डिग्रियां बेचकर करीब 26 करोड़ रुपए बटोरे। अब वो बारां में एक और यूनिवर्सिटी खोलने की तैयारी में था।

फर्जी डिग्री मामले में एसओजी की गिरफ्त में आया दूसरा आरोपी जितेंद्र सिंह भी पहले ओपीजेएस यूनिवर्सिटी से जुड़ा था. बाद में उसने अलवर में पार्टनरशिप में सनराइज यूनिवर्सिटी और गुजरात के पाटन में एमके यूनिवर्सिटी शुरू की. अब वो बूंदी में जीत यूनिवर्सिटी शुरू करने वाला था. इसी मामले में पकड़ी गई सरिता कडवासरा भी ओपीजेएस यूनिवर्सिटी की रजिस्ट्रार रह चुकी है. इस यूनिवर्सिटी का हिसाब-किताब भी वही संभालती है। एसओजी की पडताल में सामने आया है कि अकेली पीटीआई भर्ती परीक्षा 2022 में ओपीजेएस यूनिवर्सिटी की डिग्री वाले 80 से ज्यादा अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। इनकी जानकारी संबंधित विभाग को दी गई है। इसके अलावा भी कई अन्य भर्तियों में फर्जी डिग्री से नौकरी हासिल करने वालों पर एसओजी शिकंजा कसने की तैयारी में है।

चार चिकित्सा अधिकारियों को नोटिस

- **एसएमएस प्लाज्मा प्रकरण में सरकार ने लिया सख्त एक्शन**
- **6 कार्मिकों पर कार्रवाई के लिए लिखा पत्र**
- **इन अधिकारियों को प्लाज्मा के रख-रखाव में लापरवाही, अनियमितता एवं पर्यवेक्षणीय लापरवाही के लिए दोषी मानते हुए नोटिस जारी किया गया है।**

जयपुर। सवाई मानसिंह अस्पताल के ब्लड बैंक में प्लाज्मा खराब होने के प्रकरण में जांच दल की रिपोर्ट के आधार पर राज्य सरकार ने 4 चिकित्सा अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही जांच में दोषी 6 अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ग्रुप-2 एवं 3 को पत्र लिखा है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि प्रकरण को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने गंभीरता से लेते हुए जांच करवाने एवं दोषी अधिकारी-कार्मिकों पर नियमानुसार कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए थे। प्रकरण में गठित जांच दल की रिपोर्ट के आधार पर सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. राजीव बगरहट्टा, पूर्व अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा, आचार्य आईएचटीएम डॉ. प्रमेन्द्र पचौरी एवं ट्रोमा सेंटर के नोडल अधिकारी डॉ. अनुराग धाकड़ को कारण बताओ नोटिस जारी कर सात दिवस में स्पष्टीकरण मांगा गया है। इन अधिकारियों को प्लाज्मा के रख-रखाव में लापरवाही, अनियमितता एवं पर्यवेक्षणीय लापरवाही के लिए दोषी मानते हुए नोटिस जारी किया गया है। इसी प्रकार प्रकरण में अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रकाश चंद्र गोयल एवं डॉ. अखिलेश कुमार को दोषी मानते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ग्रुप-2 को नियमानुसार कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, अनुमोदित टेक्नीकल सुपरवाइजर प्रभु सिंह मण्डीवाल व अमित भारद्वाज तथा अनुमोदित टेक्नीशियन राजकुमार जैन एवं कृष्ण गोपाल अग्रवाल पर कार्रवाई के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ग्रुप-3 को पत्र लिखकर निर्देश दिए गए हैं।

बृहस्पति धाम मंदिर का पाटोत्सव संपन्न

जयपुर। राजस्थान के जयपुर शहर में बृहस्पति धाम मंदिर का पाटोत्सव का कार्यक्रम 7 जुलाई को सुबह 11 बजे डालडा फैक्ट्री ओवर ब्रिज के आगे महारानी फार्म हाउस रोड पर स्थित बृहस्पति धाम मंदिर में प्रांगण में शुरू हुआ। पत्रकार वार्ता में कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बाबूलाल शर्मा ने बताया की हर साल आयोजित होने वाले इस आयोजन में विशाल संख्या में भक्तजन परिवार के साथ पधारे और बृहस्पति देव महाराज का दूध एवं जल से अभिषेक मंदिर के महंत नरेंद्र शर्मा के द्वारा किया गया अभिषेक के बाद भक्तों को प्रसादी बैठकर कराई गई।

दामाद ने ससुराल में की चोरी

जयपुर । गलता गेट थाना इलाके में ऑनलाइन गेमिंग के शौक में नुकसान लगने पर एक युवक ने अपने ससुराल में ही चोरी की वारदात कर डाली। पुलिस ने चोर को गिरफ्तार कर उसके पास से सोने का मंगलसूत्र बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार चोरी के मामले में आरोपी आशीष माथुर (31) निवासी श्रीशिव नगर जयसिंहपुरा खोर हाल गोविन्द नगर पूर्व ब्रह्मपुरी को गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में बास-बदनपुरा गलतागेट निवासी रुकमणी देवी ने 2 जुलाई को गलातगेट थाने में मामला दर्ज करवाया था।

तीन युवकों का अपहरण कर 5-5 लाख रु. मांगे, दो आरोपी गिरफ्तार

रामनगरिया पुलिस ने फिरौती के लिए 3 युवकों का अपहरण करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया।

जयपुर । रामनगरिया थाना पुलिस ने फिरौती के लिए तीन युवकों का अपहरण करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार कर तीनों अपहृत युवकों को छुडवा लिया। आरोपियों ने फिरौती के लिए अपहरण किया था और उनके दोस्त से 5-5 लाख रुपयों की मांग की थी। पुलिस ने उनके कब्जे से पिस्तौल बरामद की है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) कावेन्द्र सिंह सागर ने बताया कि रामनगरिया थाना इलाके में शनिवार रात ग्यारह बजे कार सवार हथियारबंद बदमाशों ने लोटस विला के मेन गेट के पास से तीन कॉलेज स्टूडेंट तरुण, हर्ष, हिमांशु का अपहरण किया और उनके साथ जमकर मारपीट भी की। इसके बाद पांच-पांच लाख रुपए की फिरौती मांगी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पहले आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और शहर में नाकाबंदी करवाई। पुलिस जांच में सामने आया है कि रात करीब 10.45 बजे अर्टिगा कार में बैठकर तरुण, हर्ष, हिमांशु और यश जगतपुरा की ओर जा रहे थे। करीब 15 मिनट बाद बदमाशों ने उन्हें रोका था। दो कारों में आए 7-8 बदमाश लाठी-डंडों से लैस थे। स्विफ्ट और अमेज कार में आए बदमाशों के नीचे उतरते ही यश गाड़ी छोड़कर भाग निकला। बदमाशों ने बाकी तीनों को अपहरण कर लिया। तीनों युवक प्राइवेट कॉलेज के स्टूडेंट हैं। बदमाश युवकों की कार को साथ ले गए, लेकिन वे कार को मालवीय नगर के डी-मार्ट के पास छोड़ गए। बदमाश तीनों युवकों को अपहरण कर जयपुर से सत्तर किलोमीटर दूर चाकसू के नैनवा गांव में ले गए। यहां तीनों को अपने-अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को कॉल कर पांच-पांच लाख रुपए की फिरौती मंगवाने के लिए कहा। इस दौरान पुलिस टीम ने तीनों युवकों की मोबाइल लोकेशन ट्रेस की। लोकेशन के आधार पर पुलिस करीब 70 किलोमीटर तक आरोपियों का पीछा करते हुए नैनवा पहुंच गई। पुलिस को देखकर अपहरणकर्ता भाग निकले, पुलिस ने पीछा कर ऋषभ चौधरी निवासी चाकसू और विक्रम सिंह निवासी केकडी को पकड़ लिया। पुलिस ने अपहृत तीनों युवकों को भी सकुशल छुड़वाया।

'संस्कृत पढ़कर छात्र भी बनेगा आई.ए.एस.'

जयपुर। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेडी के नवीन नवाचार पाठ्यक्रम के क्रम में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में संस्कृत की पढ़ाई के साथ सिविल सर्विस की तैयारी भी कराई जाएगी। यह भारत का पहला विश्वविद्यालय होगा जो संस्कृत में पढ़ाई के साथ-साथ सिविल सर्विस की तैयारी कराएगा। इसके लिए केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के अभी तक सिर्फ दो कैंपस यानी की जयपुर एवं लखनऊ में बीए ऑनर्स इन संस्कृत एंड सिविल सर्विस स्टडीज (बीए एससीएस) कोर्स तैयार किया है।

जयपुर परिसर के निदेशक प्रो सुदेश कुमार शर्मा ने कहा कि संस्कृत क्षेत्र में यह एक नया अवसर है।

वृक्षारोपण 10 को

जयपुर, (का.सं.)। बसवा स्थित नसियांजी में 10 जुलाई को वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित होगा। यह कार्यक्रम भगवान महावीर के 2550 वें निर्वाण वर्ष के उपलक्ष्य में उनकी शिक्षाओं को जन जन तक पहुंचाने के लिए आयोजित किया गया है। वृक्षारोपण शीतल कटारिया जयपुर एवं महावीर इंटरनेशनल जयपुर के सदस्यों के सानिध्य में किया जाएगा।

हर घर को प्लास्टिक कैरी बैग्स से मुक्त करने का लक्ष्य हासिल करेंगे : एन.विजय

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पूरे राज्य को प्रदूषण मुक्त करने एवं सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग से मुक्त करने के लिए राज्य भर में प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। एक ओर जहाँ वृहद स्तर पर विभिन्न विभागों,

- **'प्रदूषण एवं प्लास्टिक मुक्त राज्य के लिए संकल्पित राज्य सरकार'**

राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव एन विजय ने कपड़े के थैले बाँटकर प्लास्टिक कैरी बैग्स का उपयोग नहीं करने की शपथ दिलवाई।

स्वयंसेवी संस्थाओं एवं निजी संस्थाओं के सहयोग से पौधरोपण का कार्य किया जा रहा है। वही हर घर को प्लास्टिक केरी बैग्स से मुक्त करने के लिए मंडल के अधिकारियों द्वारा घर- घर जाकर न केवल सिंगल यूज़ प्लास्टिक के वस्तुएं उपयोग नहीं करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है बल्कि कपड़े के थैले बाँटकर प्लास्टिक कैरी बैग्स का का उपयोग नहीं करने की भी शपथ दिलवाई जा रही है।

राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव एन विजय ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रदूषण मुक्त राज्य की संकल्पना को साकार करने के क्रम में राज्य अग्रसर है और सिंगल यूज प्लास्टिक एवं प्लास्टिक कैरी बैग्स का उपयोग न के बराबर हो इसके लिए सार्थक प्रयास धरातल स्तर पर किये जा रहे है। उन्होंने बताया कि कार्यालय कार्यों, नियम- कायदे बनाने के साथ उन्हें समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचना हमारा मौलिक जिम्मेदारी है जिसके तहत मंडल के अधिकारी एवं कर्मचारी घर- घर तक इस मुहीम को लेकर जा रहे है और कपड़े के थैलों का वितरण कर प्लास्टिक कैरी बैग्स उपयोग नहीं करने के लिए शपथ दिलवा रहे है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की प्रदूषण एवं प्लास्टिक मुक्त राज्य की व्यापक एवं दूरगामी सोच को साकार करने के हर स्तर पर हर संभव प्रयास किये जा रहे है।

सदस्य सचिव ने कहा कि मंडल के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा घर-घर जाकर कपड़े के थैले वितरित करने की इस मुहिम का एक ही उद्देश्य है कि राज्य के प्रत्येक नागरिक के हाथ में प्लास्टिक कैरी बैग की जगह कपड़े का थैला दिखाई दे वही व्यापारिक संस्थानों एवं दुकानों पर भी कपड़े के थैले ही उपयोग में लिए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रयास किया जायेगा कि मंडल की यह मुहिम तब तक जारी रहे जब तक प्रत्येक व्यक्ति के हाथ में कपड़े का थैला नहीं आ जाता।

इस दौरान अधीक्षण वैज्ञानिक अधिकारी नेहा अग्रवाल के नेतृत्व में जगतपुरा स्थित रिहायशी सोसाइटी में कपड़े के थैलों का वितरण किया गया साथ ही प्लास्टिक कैरी बैग्स उपयोग नहीं करने, कचरे का समुचित प्रबंधन करने एवं पर्यावरण संरक्षण करने की शपथ दिलवाई गई। इस दौरान मौजूद सोसायटी के वरिष्ठ सदस्यों ने मंडल द्वारा चलायी जा रही मुहिम की सराहना करते हुए कहा कि अन्य लोगों तक मंडल के प्रदूषण मुक्त राज्य के सन्देश को प्राथमिकता से पहुंचना सुनिश्चित करेंगे।